हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, सोमवार, 15 दिसंबर 2025

11 बदहाली की मार झेल रहा दलबीर सिंह इंडोर स्टेडियम

12 युवा शक्ति के उत्सव में दिखा जोश और प्रतिभा का संगम

जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी प्लांट को दुरूस्त करने में जुटे

डब्ल्यूटीपी में इलेक्ट्रिक फाल्ट के चलते शहर में रविवार को नहीं हो सकी नहरी पानी की सप्लाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

खैरातीखेड़ा रोड पर नहरी पानी आधारित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में लगे पब्लिक हैल्थ का 500 केवीए का ट्रांसफार्मर खराब होने से रविवार सुबह व दोपहर को शहर में नहरी पानी की सप्लाई नहीं हो सकी। पानी सप्लाई न होने से शहरवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि रविवार होने और मौसम सर्द होने के कारण लोगों को कम परेशानी झेलनी पड़ी। बिजली निगम के कर्मचारी देर रात तक ट्रांसफार्मर को ठीक करने में जुटे रहे। बिजली निगम के कर्मचारियों के साथ जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी भी पूरा दिन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में नजर आए। एसडीओ सतपाल रोज का कहना है कि सोमवार सुबह से शहर में नहरी पानी की सप्लाई बहाल हो जाएगा। फतेहाबाद जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा शहर की करीब एक लाख आबादी के लिए खैरातीखेड़ा रोड पर 28 एकड़ भूमि पर दो वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में बना रखे हैं। पहले इसका टेंक 22 एकड़ में था लेकिन गर्मियों में पानी की डिमांड बढ़ने के बाद टेंक को 6 एकड़ ओर बढ़ाकर 28 एकड़ कर दिया गया। अब गर्मी हो या सर्दी, शहरवासियों को पानी की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ा। यहां पर 10 एमएलडी व 5 एमएलडी के दो डब्ल्यूटीपी संचालित हैं। शहरवासियों को प्रतिदिन सुबह 5 बजे से लेकर रात 10 बजे तक दो शिफ्टों में समयानुसार नहरी पानी सप्लाई किया जाता है। इसके लिए जनस्वास्थ्य विभाग ने भट्ठू रोड, योग नगर, गोपीराम धर्मशाला, अशोक नगर सहित जगह बुस्टिंग स्टेशन बना रखे हैं।

फतेहाबाद। डब्ल्यूटीपी में आए इलेक्ट्रिक फाल्ट को दूर करने में लगे कर्मचारी।

ग्रुपों के माध्यम से शहरवासियों को किया सूचित

यहां अनेक वार्डों व चौराहों पर सबमर्सीबल ट्यूब्वैल भी काम कर रहे हैं, जिससे शहर में पानी की किल्लत नहीं आती। रविवार सुबह खैरातीखेड़ा रोड स्थित डब्ल्यूटीपी में 500 केवीए का ट्रांसफार्मर खराब हो गया। हालांकि विभाग ने इसकी सूचना ग्रुपों के माध्यम से शहरवासियों को दी कि इलैक्ट्रिक फाल्ट के कारण रविवार को पानी सप्लाई नहीं होगी। इस बारे पब्लिक हैल्थ के एसडीओ सतपाल रोज का कहना है कि बिजली निगम व जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी ट्रांसफार्मर दुरूस्त करने में लगे हुए हैं। जैसे ही ट्रांसफार्मर ठीक होगा, शहर में पानी सप्लाई बहाल कर दी जाएगी।

सड़क किनारे मिला युवक का शव, हत्या का आरोप

रतिया। शहर में सडक किनारे युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। मृतक युवक की पहचान गांव लाली निवासी युवक मंगत राम के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही युवक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। मृतक के शरीर पर चोटें के निशान होने के चलते परिजनों ने युवक की हत्या करने और इसे एक सडक हादसा दिखाने का आरोप लगाया है। फिलहाल रतिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, गांव लाली निवासी युवक मंगत राम शनिवार को अपने जीजा के साथ काम पर गया था। रात को पौने 8 बजे बाद वह अपने जीजा के पास से बाइक पर सवार होकर वापस घर के लिए चला था। करीब आधे घंटे बाद उसके जीजा के पास फोन आया कि मंगत राम का एक्सीडेंट हो गया है। युवक के जीजा राजेंद्र सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह 6 बजे वह अपने साले मंगत राम को अपने साथ काम पर लेकर गया था। वह पूरे दिन उसके साथ काम पर रहा था। शाम 7 बजे बाद वह बाइक पर वापस घर के लिए रवाना हुआ। जब उनके पास एक्सीडेंट की सूचना आई तो वे मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि उन्हें ऐसा लग रहा है कि मंगत राम का किसी ने मर्डर किया है। उसका सिर फाड़ रखा है। शरीर पर कई चोटें लगी हुई है। सडक पर खून बिखरा हुआ था। पुलिस को जानकारी दी गई है। मंगतराम शादीशुदा था। उसके तीन बच्चे हैं, जिनमें दो बेटियां और एक बेटा है। युवक के चचेरे भाई सोमनाथ नापा ने बताया कि उसका भाई मंगत राम तूड़ी का काम करता था। जब हम मौके पर पहुंचे तो एक तरफ उसका शव पड़ा था, जबकि दूसरी तरफ बाइक पड़ी था। बाइक बिल्कुल भी क्षतिग्रस्त नहीं हुआ है। सिर में घाव बने हुए हैं। उन्हें हत्या की आशंका है। पुलिस से मांग है कि मामले की जांच कर हत्या आरोपियों को पकड़ा जाए।

खबर संक्षेप

चोरी मामले में दो युवक गिरफ्तार, तांबा बरामद

फतेहाबाद। गांव धौलू में खेत से लगे ट्यूब्वैल से केबल चोरी करने के मामले में भूना पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। काबू किए गए आरोपियों की पहचान राजू पुत्र खजान सिंह व संपत पुत्र भादर सिंह निवासी गांव धौलु के रूप में हुई है। थाना भुना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि गांव धौलु निवासी अमन कुमार द्वारा खेत में लगे ट्यूबवेल की करीब 70 फुट तांबे की केबल चोरी होने संबंधी शिकायत दी गई थी।

युवक 10.72 ग्राम हेरोइन सहित काबू

सिरसा। एंटी नारकोटिक सेल की एक पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव गिंदडा में एक युवक को 10 ग्राम 72 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। एंटी नारकोटिक सेल के प्रभारी सब इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह ने बताया कि सेल सिरसा की एक पुलिस टीम गश्त के दौरान गांव गिंदड़ा की ओर जा रही थी। इस दौरान पुलिस पार्टी जब गांव गिंदड़ा पंचायत भवन के पास पंहुची तो सामने से गली में से एक युवक पैदल आता दिखाई दिया। शक के आधार पर पुलिस ने युवक को काबू कर लिया।

दहेज उत्पीड़न मामले में आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। थाना भट्टूकलां पुलिस ने दहेज उत्पीड़न एवं क्रूरता से जुड़े एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी गौरव पुत्र कृष्ण कुमार निवासी गांव जमाल, जिला सिरसा को काबू किया है। थाना भट्टूकलां प्रभारी उपनिरीक्षक राधे श्याम ने बताया कि पीड़िता द्वारा अपने पति गौरव के खिलाफ दहेज की मांग, मानसिक प्रताड़ना, स्त्रीधन अपने कब्जे में रखने तथा जान से मारने की धमकी देने संबंधी शिकायत दी गई थी। शिकायत पर प्रारंभिक जांच, दोनों पक्षों के बयान, काउंसलिंग प्रक्रिया एवं डीएलएसए सेंटर फतेहाबाद की रिपोर्ट के आधार पर आरोपों की पुष्टि पाई गई। जांच के उपरांत थाना भट्टूकलां केस दर्ज किया।

16 और 17 को उत्तर-पश्चिमी शीत हवाएं चलने से तापमान में गिरावट की संभावना

सीजन के पहले घने कोहरे ने शहर को चपेट में लिया विजिबिलिटी 10 मीटर, ट्रेनें लेट होने से यात्री परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

रविवार सुबह छाये घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी 10 मीटर तक सिमट गई। राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुबह 10 बजे तक घना कोहरा छाया रहा, जिस कारण सड़क पर वाहन रेंगकर चलते दिखाई दिए। हालांकि अभी तापमान में कोई ज्यादा गिरावट नहीं है लेकिन रविवार सुबह 5 बजे अचानक घने कोहरे ने शहर को अपनी चपेट में ले लिया। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार आज से बादलवाई व गहरी धुंध छाये रहने की संभावना है। इसके बाद 16 व 17 दिसंबर को उत्तर-पश्चिमी शीत हवाएं चलने से तापमान में गिरावट आएगी। इसके विपरीत 18 दिसंबर को एक पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने से फिर बादलवाई छाई रह सकती है। इससे रात के तापमान में गिरावट आएगी। इस दौरान वातावरण में नमी बढऩे से धुंध भी छायेगी। कोहरे के कारण जिले के जाखल रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेनें भी काफी देरी से पहुंची। रविवार को जाखल से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से देरी से चलीं। इनमें 15743 फरक्का एक्सप्रेस साढ़े 6 घंटे, 54044 हिसार-जींद पैसेंजर 1 घंटे और 12137 पंजाब मेल एक्सप्रेस डेढ़ घंटे की देरी से पहुंची। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, 15743 फरक्का एक्सप्रेस 6 घंटे 30 मिनट, 54044 हिसार-जींद पैसेंजर 1 घंटा, 12137 पंजाब मेल 1 घंटा 30 मिनट, 12482 दिल्ली इंटरसिटी 30 मिनट और 20409 बठिंडा सुपरफास्ट 1 घंटा देरी से चल रही है। आने वाले दिनों में कोहरे का प्रभाव बढऩे की आशंका है, जिससे ट्रेनों के साथ-साथ अन्य यातायात भी प्रभावित होगा। जाखल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों ने बताया कि वे अपनी गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबे समय से ट्रेनों का इंतजार कर रहे हैं।

बता दें कि, लुधियाना रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 2 के निर्माण काम के चलते रेलवे ने पिछले दिनों कई पैसेंजर ट्रेनों को रद्द किया था।

फतेहाबाद। घने कोहरे की आगोश में शहर।

ठंडक बढ़ी, किसानों के लिए फायदेमंद

रतिया। क्षेत्र में रविवार को सर्दी के मौसम की पहली गहरी धुंध छाई रही। करीब साढ़े दस बजे तक छाई रही गहरी धुंध के कारण जहां वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा वहीं ठंड में इजाफा होने से आमजन को भी परेशानी हुई। हालांकि किसान वर्ग धुंध को गेहूं की फसल के लिए फायदेमंद मान रहा है। गांव नंगल व सरदारेवाला निवासी मिंकु ,धर्मपाल, महेंद्र, नरेंद्र, अशोक, पप्पू आदि ने बताया कि अब ठंड जोर पकडऩे लगी है। रात व दिन का तापमान कम होने लगा है। रविवार को सुबह करीब साढ़े दस बजे तक गहरी धुंध छाई रही हैं। धुंध के चलते सुबह के समय वाहन चालक सडक़ों पर अपने वाहनों को धीमी गति रखने के साथ हैड लाइटें जलाकर चलाते नजर आए। लोगों का कहना है कि अब धुंध का प्रकोप शुरू हो गया है। धुंध गेहूं व अन्य फसलों को फायदा होगा। किसानों का कहना है कि धुंध से विशेषकर गेहूं का विकास तेजी से होगा।

वाहनों व ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर लगाए जा रहे रिफ्लेक्टर

फतेहाबाद। सर्दी के मौसम के साथ बढ़ती घनी धुंध ने सडक सुरक्षा को लेकर नई चुनौतियां पैदा कर दी हैं। इसी खतरे को ध्यान में रखते हुए फतेहाबाद पुलिस ने दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से विशेष सड़क सुरक्षा अभियान शुरू किया है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के निर्देशानुसार जिलेभर में बड़े वाहनों, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और अन्य भारी परिवहन साधनों पर रिफ्लेक्टर लगाने का विस्तृत अभियान लगातार जारी है।

अभियान के तहत पुलिस टीमें ऐसे वाहनों की पहचान कर रही हैं जिन पर प्रतिबिंबक पट्टी नहीं लगी हुई है। टीम मौके पर ही रिफ्लेक्टर लगाकर वाहन चालकों को जागरूक कर रही है। पुलिस का कहना है कि धुंध के समय रिफ्लेक्टर सडक हादसों को रोकने का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है, क्योंकि यह कम दृश्यता में भी वाहनों को स्पष्ट रूप से दिखाई देने योग्य बनाते हैं। इससे पीछे आने वाले वाहन सुरक्षित दूरी बनाए रखते हैं और टक्कर की संभावनाएं काफी हद तक कम हो जाती हैं। पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों को सलाह देते हुए कहा कि धुंध के दौरान रात में हेडलाइट्स का सही उपयोग करें, फॉग लाइट व पार्किंग लाइट अवश्य जलाएँ, तेज गति से वाहन न चलाएँ और मुड़ते समय साइड इंडिकेटर का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें। साथ ही हर वाहन पर लाल/पीली प्रतिबिंबक पट्टी अवश्य लगवाएँ, क्योंकि यह धुंध भरी रातों में जीवनरक्षक सिद्ध होती है।

ओढ़ा से नुहियांवाली मार्ग का कुछ हिस्सा कच्चा, वाहन चालक परेशान

ओढां। से नुहियांवाली आने जाने राहगीरों को कुछ रास्ता कच्चा होने से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस सडक का करीब 12 मरले भूमि न्यायालय के फैसले के बाद ओढ़ा के किसान ने सडक को जेसीबी की सहायता से उखाड़ कर उस पर कब्जा कर लिया था। कब्जा दिये जाने के बाद विभाग वहां पर अस्थाई तौर से एक कच्चा रास्ता बना दिया। पिछले काफी दिनों से यह रास्ता वाहन चालकों के परेशानी का कारण बना हुआ है। वर्तमान स्थिति यह है कि वाहनों के आवागमन के चलते रास्ता उबड़-खाबड़ हो गया है। वाहनों के गुजरने से रेत जमा होने व धूल उडऩे के चलते काफी दिक्कत आ रही है। कच्चे रास्ते पर अनेक दोपहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल हो चुके हैं। मार्केटिंग बोर्ड ने नुहियांवाली व ओढ़ा में सडक़ बंद होने के चेतावनी बोर्ड लगाकर इतिश्री कर दी लेकिन इस रास्ते पर धूल जमने के लिए पानी का छिडक़ाव तक नहीं करवाया गया। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों को अपना वाहन गुजारते समय काफी परेशान होना पड़ रहा है। अगर बाइक पर एक से अधिक सवारी हो तो उसे नीचे उतारकर जैसे-तैसे वाहन गुजारना पड़ता है। वहीं अगर कोई वाहन गुजरता है तो काफी धूल उडऩे के चलते दूसरे वाहन चालक को या तो वाहन रोककर इंतजार करना पड़ता है या फिर वह धूल में भर जाता है। इस सडक़ से प्रतिदिन गुजरने वाले कुछ वाहन चालकों ने बताया कि स्थिति काफी खराब है। विभाग द्वारा इस जगह पर पानी का छिडक़ाव तक नहीं करवाया जाता। इस सडक़ पर पराली से भरी भारी-भरकम ट्रालियां नुहियांवाली में स्थित प्लांट में जाने के लिए हर रोज गुजरती हैं। कई बार ट्रालियां धंसने के चलते यातायात बाधित भी हो जाता है।

ट्रैक्टर डिफेक्ट पर किसान धरना समाप्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर की ऑटो मार्केट स्थित महिंद्रा ट्रैक्टर एजेंसी के सामने संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले लगाया गया धरना रविवार को समाप्त हो गया। किसान नेता मनफूल ढाका व संदीप काजला ने बताया कि तामसपुरा निवासी किसान मनदीप ने आठ लाख रुपये से अधिक कीमत का महिंद्रा ट्रैक्टर खरीदा था, जिसमें तीन दिन के भीतर इंजन व मोबिल में डिफेक्ट आ गया। एजेंसी ने पहले ट्रैक्टर बदलने का आश्वासन दिया, लेकिन बाद में मुकर गई। इसके विरोध में किसान यूनियनों ने धरना दिया। बैठक में निर्णय हुआ कि किसान को नया ट्रैक्टर दिया जाएगा और अन्य ट्रैक्टरों पर छह साल की वारंटी रहेगी।

फतेहाबाद। महिंद्रा ट्रैक्टर एजेंसी के सामने संयुक्त किसान मोर्चा।

ट्रैक्टर खरीद से पहले एफिडेविट जरूरी : किसान नेता

इस अवसर पर किसान नेताओं ने किसानों को यह भी चेताया कि भविष्य में अगर कोई भी ट्रैक्टर ले तो उससे पूर्व एक एफिडेविट उसे संबंधित कंपनी और एजेंसी से जरूर ले लें ताकि बाद में इस तरह की कोई दिक्कत ना आए। किसान नेताओं ने कहा कि आज किसान बुरी तरह से कंपनी राज की गिरफ्त में आता जा रहा है और किसानों को आज जागरूक होकर अपने संगठन बनाने की पहले से कहीं ज्यादा जरूरत है क्योंकि आने वाला भविष्य और ज्यादा संकट और चुनौतियों से भरा हुआ है। इस अवसर पर विभिन्न किसान संगठनों के नेता जरनैल सिंह मलवाला खेती बचाओ यूनियन, सतबीर सिंह, अजमेर सिंह भारतीय किसान यूनियन चढूनी, जगतार सिंह किसान सभा, नौजवान सभा से पवन भूथन और सहित बड़ी संख्या में आसपास के गांव से किसान मौजूद रहे।

जुए के अड्डे पर पुलिस की रेड आठ लाख की जुआ राशि बरामद

सिरसा। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अनाज मंडी सिरसा क्षेत्र में स्थित एक मकान में जुआ खेल रहे 6 लोगों को काबू कर उनके कब्जा से आठ लाख रुपये जुआ राशि बरामद की है। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन ने बताया कि सीआईए ऐलनाबाद की एक पुलिस टीम गश्त के दौरान नजदीकी श्याम बगीची अनाज मंडी सिरसा क्षेत्र में मौजूद थी । इसी दौरान पुलिस पार्टी को महत्वपूर्ण सूचना मिली अनाज मंडी में स्थित एक दुकान पर कुछ लोग सार्वजनिक रूप से जुआ खेल रहे हैं । उक्त सूचना के आधार पुलिस पार्टी ने अनाज मंडी स्थित एक मकान पर दबिश देकर 6 लोगों को आठ लाख रूपए की जुआ राशि व ताश के पत्तों सहित गिरफ्तार कर लिया । उन्होने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मनोज कुमार पुत्र हरबंस निवासी सी ब्लॉक सिरसा,जेकी कुमार पुत्र देवराज, राकेश कुमार पुत्र हेमराज निवासियान वार्ड नंबर 3 कालांवाली, गुरप्रीत सिंह पुत्र भुपेन्द्र सिंह निवासी गली मस्जिद वाली सदर बाजार सिरसा, राज कुमार पुत्र कृष्ण लाल वार्ड नंबर 10 कालांवाली व हरभगवान पुत्र शंकर दास निवासी मकान नम्बर 348 न्यू हाउसिगं बार्ड कालोनी सिरसा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों के खिलाफ थाना शहर सिरसा में जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शहर थाना पुलिस को सौंपी गई है ।

नशे की ओवरडोज से युवक की मौत का मामला, तीसरा आरोपी गिरफ्तार

रतिया। शहर में नशे की ओवरडोज से एक युवक की मौत होने के मामले में पुलिस ने तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। काबू किए गए आरोपी की पहचान जतिन कुमार पुत्र कश्मीर लाल निवासी मढ के रूप में हुई है, जिसे न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस मामले में इससे पहले दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। बता दें कि इस मामले में मृतक युवक के परिजनों द्वारा एसएचओ रणजीत सिंह पर नशा तस्करों से मिलीभगत के आरोप लगाए थे, जिसके बाद एसपी सिद्धांत जैन ने रणजीत सिंह को लाइन हाजिर कर पुष्पा सिहाग को नया एसएचओ लगाया है। अब इस मामले में पुलिस ने तीसरे आरोपी को भी काबू कर लिया है। थाना शहर रतिया प्रभारी महिला निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि 11 दिसंबर को सरकारी अस्पताल रतिया से युवक अमन मित्तल की इलाज के दौरान मृत्यु होने की सूचना प्राप्त हुई थी। मृतक के ताया सुनील कुमार द्वारा दिए गए बयान के आधार पर प्राथमिक जांच में सामने आया कि युवक नशीले कैप्सूल का सेवन करता था, जिससे उसकी मृत्यु हुई। इस मामले में थाना शहर रतिया में 11 दिसंबर को धारा 105, 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

धार्मिक आयोजन कृष्ण मिढ़ा बोले : हंस मार्किट में शौचालय के लिए जगह ढूंढे, चिल्ली झील प्रोजेक्ट पर डीसी से लेंगे रिपोर्ट

डिप्टी स्पीकर के सामने दुकानदारों ने तोड़फोड़ व नप में भ्रष्टाचार का रोना रोया

- बाबे दा मेला के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय संकीर्तन में पहुंचे डिप्टी स्पीकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

रविवार को फतेहाबाद पहुंचे हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ.कृष्ण लाल मिढ़ा के समक्ष हंस मार्किट के दुकानदारों व शहर के लोगों ने अतिक्रमण हटाने के नाम पर तोडफ़ोड़ करने व नगरपरिषद में फैले भ्रष्टाचार व विकास कार्य न होने का जमकर रोना रोया। शहरवासियों के पक्ष में पूर्व नगरपरिषद प्रधान दर्शन नागपाल ने कृष्ण मिढ़ा को बताया कि शहर में अतिक्रमण हटाने के नाम पर दुकानदारों को नाजायज तंग किया जा रहा है। ठेकेदारों के 6-6 महीने बिल पास नहीं होते, ऐसे में कौन विकास कार्य करेगा। इस मौके पर कृष्ण मिढ़ा ने हंस मार्किट में शौचालय बनाने की दुकानदारों मांग को स्वीकार करते हुए कहा कि इस पर जितना खर्च होगा, इसकी अदायगी वह करवाएंगे। इसके लिए मार्किट में उपयुक्त जगह ढूंढी जाए। चिल्ली प्रोजेक्ट को लेकर उन्होंने कहा कि उन्होंने जानकारी ली थी तो बताया गया कि उस पर कार्रवाई चल रही है। बाकी अब उस प्रोजेक्ट की डीसी से रिपोर्ट और लेंगे।

कृष्ण मिढ़ा रविवार को फतेहाबाद में भीमां बस्ती पानी वाली टंकी के पास स्थित डेरा बाबा सतराम भारा के वार्षिक बाबे दा मेला के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय संकीर्तन और सत्संग समारोह में बतौर मुख्यअतिथि पहुंचे थे। इसके बाद उनका हंस मार्किट में उनका जलपान कार्यक्रम था। जहां दुकानदारों ने कृष्ण मिढ़ा का भव्य स्वागत किया और अपनी समस्याओं बारे जमकर भड़ास निकाली। दुकानदारों का नेतृत्व पूर्व नगरपरिषद प्रधान दर्शन नागपाल ने किया। कार्यक्रम में मौजूद नगर परिषद उपप्रधान सविता टुटेजा के पति बिंटू टुटेजा और नगर परिषद के पूर्व प्रधान दर्शन नागपाल में अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर बहस भी हो गई। दर्शन नागपाल ने कहा कि अतिक्रमण हटाने के नाम पर पूरे शहर को काफी परेशान किया गया। गरीब रेहड़ी वालों और लोहार का काम करने वालों के साथ भी ज्यादती की गई। इस पर बिंटू टुटेजा ने कहा कि ऐसी बात भी नहीं है कि बिल्कुल नाजायज किया गया। कई जगह अवैध कब्जे भी किए हुए थे। लौहारों ने भी सडक़ों पर नाजायज कब्जा किया हुआ है। जिस कारण वाहन चालकों को काफी परेशानी होती थी और बाजार से गुजरने में काफी समय लगता था। अब कुछ रास्ता खुला है।

फतेहाबाद। हंस मार्किट में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिढ़ा।

नगर परिषद में बिल पास न होने पर सवाल

पूर्व प्रधान दर्शन नागपाल ने कृष्ण मिढ़ा को बताया कि नगर परिषद में 6-6 महीने तक ठेकेदारों के बिल पास नहीं होते हैं। बिल पास क्यों नहीं होते ये तो नगर परिषद के प्रतिनिधि ही बता सकते हैं। इस पर डिप्टी स्पीकर ने उनसे कहा कि वे अपने अनुभव का फायदा मौजूदा जनप्रतिनिधियों को भी दें। उन्होंने सविता टुटेजा और उनके पति की तरफ देखकर कहा कि इनका फायदा लिया करो। डिप्टी स्पीकर के सामने नगर परिषद फतेहाबाद में एक्सईएन नहीं होने का मुद्दा भी उठा। इस पर कृष्ण मिढ़ा ने कहा कि एक्सईएन का तो हमारे यहां भी यही हाल है, मगर वो सब होता रहेगा, लेकिन जायज काम तो होते रहने चाहिए। जनता परेशान नहीं होनी चाहिए। इस दौरान मिढ़ा ने कहा कि दुकानदारों ने शौचालय निर्माण की मांग रखी है, जिसके लिए उन्हें उपयुक्त जगह ढूंढने के लिए कहा है।

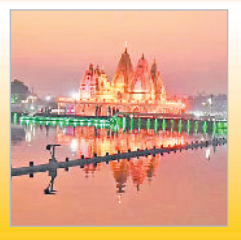

गीता जयंती महोत्सव

कुरुक्षेत्र में गीता जयंती महोत्सव, भगवद गीता के जन्मदिवस (मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी) के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। यह एक विशाल वार्षिक अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उत्सव है, जहां भक्त ब्रह्म सरोवर में स्नान करते हैं, श्लोक पाठ, भजन, नाटक और शिल्प मेले (सरस मेला) में भाग लेते हैं। यह आयोजन कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड और हरियाणा पर्यटन द्वारा कई देशों की भागीदारी के साथ आयोजित किया जाता है। यह महोत्सव 2016 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है।

कला और संस्कृति का अनूठा संगम है फल्गु महोत्सव

लोक परंपराओं को जीवित रखने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है 'फल्गु लोककला महोत्सव'। यह संस्कृति के प्रति एक संकल्प, एक यात्रा और एक ऐसे आंदोलन की शुरुआत है जो हमारी विरासत को आधुनिकता की दौड़ में संरक्षित करने का प्रयास करता है।

संस्कृति

रामबीर सिंह 'राम'

हरियाणा की संस्कृति और परम्पराएं अद्भुत हैं। यहाँ की माटी से उठती सुगंध केवल खेत-खलिहानों तक सीमित नहीं है बल्कि लोकगीतों, नृत्यों, रागनियों और धार्मिक आस्थाओं में भी साँस लेती है। इन्हीं लोक परंपराओं को जीवित रखने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है 'फल्गु लोककला महोत्सव'। जो न केवल एक सांस्कृतिक आयोजन है, बल्कि यह संस्कृति के प्रति एक संकल्प, एक यात्रा और एक ऐसे आंदोलन की शुरुआत है जो हमारी विरासत को आधुनिकता की दौड़ में संरक्षित करने का प्रयास करता है।

इस महोत्सव ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के साथ-साथ यह भी सिद्ध कर दिया कि लोककलाएँ आज भी समाज की आत्मा हैं और जब इन्हें उचित मंच मिलता है, तो ये सांस्कृतिक चेतना की नई धाराओं को जन्म देती हैं। ऐसे में यह उत्सव तब और भी प्रासंगिक तथा प्रभावशाली हो जाता है जब इसका आयोजन कुरुक्षेत्र की पावन धरती पर स्थित फल्गु तीर्थ यानि फल्कीवन पर किया जाता है। हरियाणा के कैथल जिले के गाँव फरल में स्थित फल्गु तीर्थ यानि फल्कीवन की बात चली है तो बताते चलें कि वामन पुराण के अनुसार, घने वनों से आच्छादित कुरुक्षेत्र की पावन भूमि पर सात प्रमुख वन थे, जिनमें से एक था फल्कीवन। यह पावन भूमि सरस्वती और दृषद्वती नदियों के जल से पोषित थी। दृषद्वती नदी का प्रवाह मार्ग कौल (कैथल) से होते हुए फल्कीवन तक रहा है, जिसके अवशेष आज भी गाँव फरल के पूर्व में देखे जा सकते हैं। इस भूमि पर महर्षि श्री फल्क ने कठोर साधना की, और उन्हीं के नाम पर यह स्थान 'फल्कीवन' कहलाया। कालांतर में, यही वन फल्गु तीर्थ बना और इसके कारण ही गाँव का नाम 'फरल' पड़ा। यह तीर्थ पितृकर्म के लिए विश्वभर में विख्यात है, जिसका वर्णन महाभारत, वामन पुराण, मत्स्य पुराण और नारद पुराण जैसे ग्रंथों में मिलता है। वामन पुराण के 36वें अध्याय में वर्णित है :

"सोमक्षये च सम्प्राप्ते सोमस्य च दिन तथा।
यः श्राद्ध च मत्यस्तस्य फल पुष्पम।।49।।
गंगायां च यथा श्राद्ध पितृन्प्रीणति नित्यशः।
तथा श्राद्ध च कर्तव्य फल्कीवनमाश्रितैः।।50।।"

अर्थात सोमवार के दिन अमावस्या के अवसर पर फल्गु तीर्थ पर किया गया श्राद्ध पितरों को गया जी में किए गए श्राद्ध की तरह ही तृप्त और प्रसन्न करता है।

फल्गु तीर्थ केवल धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक धरोहर भी है। यहाँ 17वीं शताब्दी का मुगलकालीन शिव मंदिर, नागर शैली में निर्मित राधा-कृष्ण मंदिर, विशाल सरोवर और एक अत्यंत प्राचीन वटवृक्ष इसकी महत्ता को और भी बढ़ा देते हैं। समीप स्थित पणिश्वर तीर्थ भी है, जिसे महाभारत के अनुशासन पर्व में 'पाणिखात' कहा गया है।

फल्गु तीर्थ पर सांस्कृतिक आयोजनों का इतिहास भले ही शानदार हो, लेकिन इस आयोजनों के बीच आने वाला लंबा अंतराल परंपरा के सरंक्षण में बाधक बन रहा था। जिसे दूर करने का बीड़ा फल्गु मंदिर सुधार समिति ने उठाया। समिति के संरक्षक जयगोपाल शर्मा के मार्गदर्शन में, वर्ष 2011 में पहली बार एक दिवसीय भजन संध्या का आयोजन हुआ। यह छोटा-सा प्रयास गाँव की सांस्कृतिक चेतना को जगाने वाला दीपक साबित हुआ। धीरे-धीरे यह परंपरा बढ़ती गई और उत्सव का दायरा एक दिन से बढ़कर सात दिन तक पहुँच गया। हरियाणवी सांग, रागनी, लोकनृत्य, भजन और कवि सम्मेलन जैसे विविध कार्यक्रमों ने इस मंच को बहुआयामी बना दिया। 2016 में जब हरियाणा कला परिषद इस उत्सव से जुड़ी, तो आयोजन को नई ऊर्जा मिली। सरकार के सहयोग और कलाकारों की बढ़ती भागीदारी ने इसे राज्यस्तरीय पहचान दिलाई। वर्ष दर वर्ष इस महोत्सव में कलाकारों की संख्या निरंतर बढ़ती रही। 2016 में जहाँ 35 कलाकारों ने भाग लिया, वहीं 2017 में यह संख्या 180 तक पहुँच गई। 2018 और 2019 में यह परंपरा जारी रही। 2020 में महामारी के कारण उत्सव ऑनलाइन आयोजित हुआ, जिसमें 120 कलाकारों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। 2021 से फिर प्रत्यक्ष आयोजन शुरू हुआ और हरियाणा साहित्य अकादमी भी इससे जुड़ गई। इससे गाँव में कवि सम्मेलन की एक नई परंपरा का जन्म हुआ, जिसने लोककलाओं के साथ-साथ साहित्य को भी इस मंच पर स्थान दिया। यह उत्सव हरियाणा सरकार की विभिन्न परीक्षाओं में भी एक प्रश्न बनकर उभरा है कि 'फल्गु उत्सव कब और कहाँ आयोजित होता है?', जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता और महत्ता को दर्शाता है। वर्ष 2022 में पहले आयोजनों की परंपरा को निभाने के बाद वर्ष 2023 से महोत्सव कला और सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा की वित्तीय सहायता से तीन दिवसीय महोत्सव का आयोजन हो रहा है।

हाल ही में कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा तथा फल्गु मंदिर सुधार समिति के संयुक्त तत्वावधान में 12 से 14 सितम्बर 2025 तक फल्गु तीर्थ, फरल (कैथल) में तीन दिवसीय फल्गु लोककला महोत्सव 2025 का भव्य आयोजन हुआ। जिसमें इंद्रप्रस्थ अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली और क्षीरधारा करनाल का विशेष सहयोग रहा। 12 सितम्बर को पहले दिन हरियाणवी लोकनृत्य कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार डॉ. चंद्र त्रिखा (निदेशक, उर्दू प्रकोष्ठ, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी) के सान्निध्य में मुख्य अतिथि सतपाल जाम्बा, विधायक पूंडरी, अध्यक्ष मनजीत सिंह (सदस्य सचिव, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी) तथा विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार रामबीर सिंह 'राम' और समाजसेवी विकास गर्ग ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुकेश द्वारा गणेश वंदना,

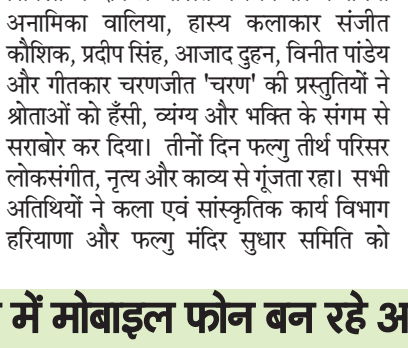

सत्यवान व सोनी की 'कुएं की पनिहारी', सीमा वत्स की 'काला-काला कहे गुजरी' तथा बलराज और उनकी टीम की 'जर-जोरू और जमीन' जैसी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को लोक-संवेदना से भर दिया।महोत्सव के दूसरे दिन 13 सितम्बर को लोकगायन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. रामपाल सैनी (कुलपति, चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद), अध्यक्ष पद्मश्री महाबीर गुड्डू और विशिष्ट अतिथि डॉ. ऋषिपाल (प्राचार्य, जनता कॉलेज, कौल) ने किया महाबीर गुड्डू ने भी सुप्रसिद्ध रागनी 'गंगा जी तेरे खेत मैं' प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर किया। 14 सितम्बर को अंतिम दिन हरियाणवी मखौल एवं कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसका शुभारंभ प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री (कार्यकारी उपाध्यक्ष, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी), अध्यक्ष सुभाष गर्ग, विशिष्ट अतिथि कर्म सिंह, डॉ. पवन वर्मा (निदेशक, आकाशवाणी हिसार) और विजय सिंगला ने दीप प्रज्वलित कर किया। कवयित्री अनामिका वालिया, हास्य कलाकार संजीत कौशिक, प्रदीप सिंह, आजाद दुहन, विनीत पांडेय और गीतकार चरणजीत 'चरण' की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को हँसी, व्यंग्य और भक्ति के संगम से सराबोर कर दिया। तीनों दिन फल्गु तीर्थ परिसर लोकसंगीत, नृत्य और काव्य से गूंजता रहा। सभी अतिथियों ने कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा और फल्गु मंदिर सुधार समिति को साधुवाद देते हुए ऐसे आयोजनों को हरियाणवी विरासत के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी तक इसके प्रसार का प्रेरणास्रोत बताया।

वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार डॉ. चंद्र त्रिखा इसे "एक सांस्कृतिक चेतना का उत्सव" कहते हैं, जो समाज के लिए एक सुखद अनुभव और उदाहरण प्रस्तुत करता है। जबकि हिंदी मंच संचालन के शिखर पुरुष जैनेन्द्र सिंह की नज़र में 'फल्गु उत्सव' अपनी कला, संस्कृति और परंपराओं को समर्पित एक सकारात्मक और सफल प्रयास है जो समाज के लिए प्रेरणा का कार्य करता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संयुक्त सचिव डॉ. जी.एस. चौहान का मानना है कि यह शिक्षा और सांस्कृतिक चेतना का संगम है, जो युवाओं को भारतीय परंपराओं से जोड़ता है। इसी प्रकार उत्तर मध्य सांस्कृतिक कला केंद्र के निदेशक सुदेश शर्मा इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का सपना देखते हैं और इसे संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों में एक सार्थक योगदान मानते हैं। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मानद सचिव उपेन्द्र सिंहल कहते हैं कि फल्गु उत्सव का आयोजन कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के तीर्थों के प्रचार-प्रसार और रख-रखाव के संकल्प में सहयोगी प्रतीत होता है।

वहीं लंदन में रहने वाले प्रसिद्ध रेडियो कलाकार रवि शर्मा का मानना है कि ऐसे आयोजन मन को आनंदित करते हैं। पद्मश्री महाबीर गुड्डू कहते हैं कि 'फल्गु लोककला महोत्सव' कला और संस्कृति के आनंद का उत्सव है। महोत्सव के संयोजक दिनेश शर्मा 'दिनेश' का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में यह महोत्सव फल्गु मेले के रूप में विकसित हो, जो पितृपक्ष के पूरे सोलह दिनों तक चले और हजारों कलाकारों तथा लाखों श्रद्धालुओं को एक साथ जोड़ दे। उनका मानना है कि यह न केवल संस्कृति के संरक्षण का एक प्रयास है, बल्कि फल्गु तीर्थ को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने का भी एक माध्यम है। फल्गु तीर्थ की पावन भूमि पर आयोजित यह महोत्सव हमें यह संदेश देता है कि संस्कृति केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा है। यही इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

कविता | सविता गर्ग 'सावी'

विष्णु चरण तै निकली गंगा

विष्णु चरण तै निकली गंगा शंकर जटा समाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई

राजा सागर के पुत्रां नै जब
कपिल मुनि का उपहास करया
आंख खोल कै गेड़ी दृष्टि
पल में सब तै भसम करया
जब दुनिया नै बेरा पाटया मचगी सारै दुहाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई

स्वर्ग लोक तै चल कै गंगा
मृत्यु लोक मैं आई
सब ऋषियां की कुटिया बह गई
मच गई सारै तबाही
जाहनू ऋषि नै पी कै गंगा मन मैं शांति पाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई

हाथ जोड़ कै बोल्या भागीरथ
विनती मेरी स्वीकार करो
मेरे पित्तर सै अधोगति मैं
उन सब का उद्धार करो
सावी गावै झूम झूम कै जय हो गंगा माई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई।

विष्णु चरण तै निकली गंगा शंकर जटा समाई
भागीरथ नै करी तपस्या जब धरती पै आई।

गीत | सुरेश भाणा

नशा करै बुरी दशा

नशा करै बुरी दशा क्रोध का बाप बताया जा
क्रोध के कारण मति भ्रम हो ना बिल्कुल भी समझाया जा

नशे के कारण इस जग में ज्यादा झगड़े होते देखे
बुद्धि से ना काम लेवैं, वैं फेर पाछै तै रोते देखे
लाख बुराई हर तरियां की अपने सिर पै ढोते देखे
भाईचारा रिस्तेदारी और यारी नै भी खोते देखे
काम ईसा कर जाते जो ना फेर पाछै तै सँगवाया जा

नशा करणिया माणस के घर होज्या धन का टोटा
उसका कुणबा भूखा सोवै काम बणै घणा खोटा
टूम ठेकरी बासण बिकज्या सिर पै हो कर्जा मोटा
सारी दुनिया देवै बुराई छुटज्या मेर मळओटा
चिंता रहती चौबीस घंटे फेर पिया जा ना खाया जा

क्रोध के कारण बैर बढै ये पैदा होज्यां कठिनाई
क्रोध के कारण अक्ल खत्म हो रहै ना गात समाई
क्रोध के कारण कुणबा टूटै और न्यारे होज्यां भाई
क्रोध के कारण बड़े बड़े खपगे ना कोई निशानी पाई
क्रोध करणिया माणस फेर सारे जग में बिसराया जा

काम क्रोध मद लोभ छोड़ कै प्यार निभाणा चाहिए
छोटी मोटी बातां पै ना कदे गुस्सा ठाणा चाहिए
जो लागै बोल सभी नै सुथरा ईसा ए गाणा चाहिए
जन्म लेण नै फेर दोबारा मनै यो पाई भाणा चाहिए
कहै सुरेश गुरु चरणों में यो हरदम शीश झुकाया जा

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

नैतिक मूल्य | संयुक्त परिवारों के आंगन अब दीवारों में बंट गए, डिजिटल युग में मोबाइल फोन बन रहे अकेलेपन के साथी

चिंता का विषय है बदलता सामाजिक परिवेश

जीवनशैली | कृष्ण गोपाल सोलंकी

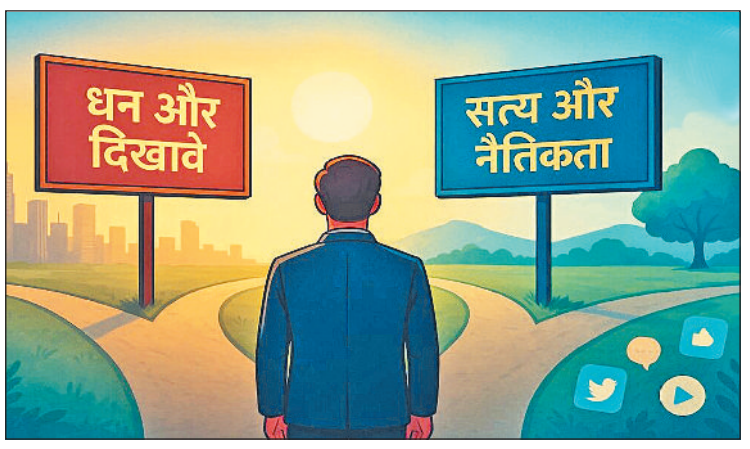

अपने परिवार को आर्थिक और सामाजिक गति देना आवश्यक है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है कि हम पहले एक स्वस्थ और संस्कारवान माहौल तैयार करें और उसकी शुरुआत अपने घर से करें। महँगे संसाधनों से ज्यादा बच्चों को हमारे 'समय' और 'साथ' की जरूरत है। हम अपने बच्चों को आधुनिक शिक्षा जरूर दें, लेकिन उसके साथ सुसंस्कारों की नींव भी रखें। जब तक शिक्षा और संस्कार का मेल नहीं होगा, तब तक हम एक सुखी और सुरक्षित समाज की कल्पना नहीं कर सकते। अंततः, हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा ताकि हरियाणा का वह खोया हुआ सौहार्द और प्रेम पुनः लौट सके।

हरियाणा प्रदेश, जिसे कभी अपने दूध-दही के खान-पान, आपसी प्रेम, भाईचारे और अटूट सहयोग के लिए जाना जाता था, आज एक अजीब से संक्रमण काल से गुजर रहा है। जिस धरती की पहचान बड़ों के प्रति अगाध सम्मान और निःस्वार्थ सेवा थी, आज वहां की तस्वीर कुछ धुंधली और अलग हो गई है।

यह विडंबना ही है कि विकास की दौड़ में आगे बढ़ते हुए हम अपने नैतिक मूल्यों को पीछे छोड़ आए हैं। नई पीढ़ी के व्यवहार में बड़ों के प्रति सम्मान, दिखावे की खोखली जिंदगी और बढ़ती नशाखोरी आज हर संवेदनशील व्यक्ति के लिए गहरी चिंता का विषय बन गई है। आज का इंसान अपने वास्तविक स्वधर्म और मानवता को भूलकर काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार के दलदल में बुरी तरह फंस गया है। जिसके कारण समाज में नैतिक मूल्यों का पतन बड़ी तेजी से हो रहा है। भाईचारे की मिसाल कहे जाने वाले हरियाणा में इन दिनों ऐसी-ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जिनसे मानवता शर्मसार हो उठती है। सहनशीलता का स्तर इतना गिर गया है कि जरा-जरा सी बात पर खून-खराबा होना आम बात हो गई है। उदाहरण के तौर पर, अक्सर देखने में आता है कि खेत की एक इंच मेंढ़ या घर के बाहर गाड़ी खड़ी करने जैसी मामूली बात पर वर्षों पुराने पड़ोसी या सगे भाई एक-दूसरे की जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। यह वही समाज है जहाँ कभी पड़ोसी के दुख को अपना दुख समझा जाता था, लेकिन आज क्रोध और अहंकार ने विवेक को हर लिया है। भौतिक सुखों की अंधी दौड़ और खुद को रातों-रात अमीर बनाने की चाहत में माता-पिता अब अनजाने में ही सही, अपने बच्चों को वह समय नहीं दे पा रहे हैं, जो उनके चरित्र निर्माण के लिए अनिवार्य था। इसका परिणाम यह हुआ है कि संयुक्त परिवारों के आंगन अब दीवारों में बंट गए हैं; अलग-अलग चौखटें और अलग-अलग रास्ते हो गए हैं। इस अलगाव का सबसे बड़ा और दुष्प्रभाव बच्चों पर पड़ा है। जिस उम्र में उन्हें घर के बुजुर्गों के सानिध्य में स्नेह, सहयोग, तालमेल और रिश्तों की मिठास सीखनी चाहिए थी, उस कच्ची उम्र में वे मोबाइल की दुनिया में अकेलेपन के साथी बन गए हैं। वे बेढंगी और अर्थहीन 'रील्स' देख रहे हैं और खुद भी वैसा ही बनावटी जीवन जीने का प्रयास कर रहे हैं। इस जलती आग में घी डालने का काम किया है, नए दौर के हरियाणवी गानों ने। साहित्य और संगीत, जो कभी समाज का दर्पण हुआ करते थे, आज पथभ्रष्ट हो चुके हैं। इन गीतों की भाषा शैली न केवल असभ्य है, बल्कि यह लेखकों की परवरिश और उनके संस्कारों पर भी बड़ा प्रश्नचिन्ह लगाती है। गीतों में जेल, पिस्तौल, बदमाशी, मार-काट और शराब जैसे शब्दों का प्रयोग और महिमामंडन इस प्रकार किया गया है, जिससे प्रभावित होकर युवा वर्ग इसे ही जीवन का 'सच्चा सुख' और 'रुतबा' मान बैठा है। तकनीकी और पैसे के इस दौर ने माता-पिता से जहाँ उनके बच्चे छीन लिए, वहीं माता-पिता भी अपनी व्यस्तताओं के चलते अपने बच्चों से कोसों दूर होते जा रहे हैं। संवादहीनता के इस दौर में सहनशीलता पूरी तरह ख़त्म हो गई है। आज के बच्चे जीवन के छोटे-छोटे संघर्षों और बुरे समय का सामना करने से डरते हैं। उनकी मानसिक स्थिति इतनी नाजुक हो गई है कि परीक्षा में थोड़े कम अंक आ जाएं या कोई मनचाही वस्तु न मिले, तो वे आत्महत्या जैसा कायरतापूर्ण कदम उठाने में भी संकोच नहीं करते। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण यह है कि उनके पास कोई अपना ऐसा नहीं है जिससे वे मन की बात कर सकें, कोई समझाने वाला नहीं है जो उन्हें बताए कि असफलता जीवन का अंत नहीं है। ऐसे में यह प्रत्येक माता-पिता की नैतिक जिम्मेदारी बन जाती है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों के प्रति सजग रहें। घर से बाहर कदम रखते बच्चों के बारे में माता-पिता को यह पता होना ही चाहिए कि हमारा बच्चा कहाँ है, किसके साथ उठ-बैठ रहा है और वह क्या करता है?

हरियाणा की माटी से निखरी कला-साधिका ममता शर्मा

कलाकार | दिनेश शर्मा 'दिनेश'

अंधेरी रात जब बीते उजाला लौट आता है,
अमावस का अंधेरा भी कभी ना रोक पाता है।
करे कोशिश अगर कोई, सफलता मिल ही जाती है;
इरादे हों अटल जिसके, जमाना सिर झुकाता है।

कुछ ऐसी ही होती है जीवन में संघर्षों से होकर सफलता तक पहुँचने की कहानी। यदि हौसलों में उड़ान हो तो अभाव केवल पड़ाव बनकर रह जाते हैं। हरियाणा की लोक संस्कृति के फलक पर शोभित लोक कलाकार ममता शर्मा ने यह सिद्ध करके दिखाया है। एक श्रमिक परिवार की बेटी से लेकर आज अनगिनत मंचों की शान बनने तक का उनका सफर न केवल प्रेरणादायी है, बल्कि महिला सशक्तिकरण का एक जीवंत उदाहरण भी है।रोहतक जिले के गाँव मुरादपुर टेकना में एक अत्यंत साधारण और कृषक परिवार में जन्मी ममता का बचपन आर्थिक तंगी में गुज़रा।

माता-पिता दिहाड़ी मजदूरी कर घर का खर्च चलाते थे। वे भले ही अक्षरज्ञान से दूर थे, किंतु अपनी संतानों को संस्कार और स्वाभिमान का पाठ पढ़ाना भली-भांति जानते थे। ममता बताती हैं, "दरिद्रता हमारे घर की चौखट पर अवश्य थी, किंतु मेरे माता-पिता ने हमारे आत्मबल को कभी विपन्न नहीं होने दिया।" ममता ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा (आठवीं तक) गाँव के ही सरकारी विद्यालय से तथा दसवीं की परीक्षा मोखरा गाँव से

उत्तीर्ण की। बाल्यकाल से ही उनके मन में हरियाणवी संस्कृति, मटका दौड़, नाटक और पारंपरिक वेशभूषा के प्रति गहरा अनुराग था। विद्यालय के सांस्कृतिक आयोजनों में वह अपनी कला का लोहा मनवाती रहीं। किंतु नियति को कुछ और ही स्वीकार था।घर की विषम परिस्थितियों के चलते, महज 15 वर्ष की अल्पायु में ही उन्हें गृहस्थी के बंधन में बाँध दिया गया। उनका विवाह हिसार के निकट स्थित गाँव बांस में हुआ। एक हँसती-खेलती किशोरी ने सिर पर घूँघट और घर-गृहस्थी की बड़ी जिम्मेदारियों के बीच अपने कलाकार मन को एक लंबी चुप्पी में कैद कर लिया। ममता अतीत के पन्ने पलटते हुए कहती हैं, "विवाह के उपरांत नए दायित्व थे, संतान सुख था और भरा-पूरा परिवार था। मैंने सब कुछ संभाल लिया, किंतु हृदय के किसी कोने में एक कसक बाकी थी कि मेरा सपना अधूरा है। मुझे अपनी लोक-परंपरा के संरक्षण के लिए कुछ करना है।"

बदलते समय के साथ ममता के सपनों को नया जीवन मिला। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति, ठेठ बोली और सादगी से भरे वीडियो साझा करने शुरू किए। उनकी सहजता और लोककला ने जनमानस को प्रभावित किया और वह अत्यंत लोकप्रिय हो गईं।उनका मानना है कि उनकी सफलता के पीछे सबसे बड़ा हाथ उनके पति सुरेश शर्मा का है। हरियाणा के ग्रामीण परिवेश में जहाँ प्रायः वधुओं की प्रतिभा चूल्हे-चौके तक सिमट जाती है, वहीं ममता के पति ने एक नई मिसाल पेश की। उन्होंने न केवल ममता की कला का साथ दिया, बल्कि उनकी अधूरी शिक्षा को भी पुनः आरंभ कराया। एक वर्ष पूर्व उन्होंने ममता का बारहवीं कक्षा में नामांकन करवाया। ममता का कहना है, "सीखने की कोई समय-सीमा नहीं होती। आज मैं अध्ययन भी कर रही हूँ, गृहस्थी भी संभाल रही हूँ और मंच पर भी सक्रिय हूँ। मेरा उद्देश्य उन महिलाओं में चेतना जगाना है जो विवाह के उपरांत अपने स्वप्नों को तिलांजलि दे देती हैं।"इसी संदर्भ में वह भावुक होकर कहती हैं, "आज यदि मैं समाज के समक्ष चमक रही हूँ, तो इसमें मेरी मेहनत से अधिक मेरे पति का त्याग है। वे मुझे प्रत्येक कार्यक्रम में स्वयं छोड़कर जाते हैं और ससम्मान वापस लाते हैं। ससुराल में आकर यदि उनका साथ न मिलता, तो मैं कभी भी घर की देहली नहीं लांघ पाती।

गुरु का सान्निध्य और शिक्षा की नई अलख

ममता की प्रतिभा को वास्तविक विस्तार पद्मश्री महावीर गुड्डू के सान्निध्य से मिला, जिन्होंने उनकी कला को तराशा और उन्हें प्रदेश ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाई। वह 'इंडियाज गॉट टैलेंट' जैसे बड़े मंच पर भी हरियाणवी संस्कृति का परचम लहरा चुकी हैं। अब वह विदेशों में भी हरियाणवी संस्कृति का ध्वज फहराने की तैयारी कर रही हैं। ममता शर्मा का लक्ष्य केवल प्रशंसा बटोरना नहीं है। उनकी आँखों में एक बड़ा सपना तैर रहा है। वह दृढ़ता से कहती हैं, "मेरी आत्मा को शांति तब मिलेगी जब हरियाणवी लोक कला, हमारा परिधान और हमारे संस्कार हिंदी सिनेमा से लेकर विदेशी मंचों तक अपनी विशिष्ट पहचान बनाएंगे। यह मेरा स्वप्न मात्र नहीं, अपितु संकल्प है।"

खबर संक्षेप

हेरोइन तस्करी मामले में मुख्य सप्लायर काबू

फतेहाबाद। नशा तस्करों की धरपकड़ करते हुए थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान कर्णवीर उर्फ लड्डू पुत्र जयपाल के रूप में हुई है। इस मामले में इससे पहले एक अन्य आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रा ने बताया कि 8 अक्टूबर को काठमंडी क्षेत्र में की गई पुलिस कार्रवाई के दौरान आरोपी विक्रम के कब्जे से 10.10 ग्राम हेरोइन तथा 7 जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किए गए थे।

विभिन्न मामलों में वांछित आरोपी गिरफ्तार

डबवाली। पुलिस ने सरकारी कार्य में बांधा पहुंचाने, जान से मारने की धमकी देने सहित विभिन्न मामले में वांछित राजस्थान के एक अपराधी को संगरिया क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। चौटाला पुलिस चौकी प्रभारी सतपाल ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान अहमद नवाज निवासी जिला हनुमानगढ़ राजस्थान के रूप में हुई है। चौकी प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम कुछ दिन पूर्व गश्त के दौरान साबुआना रोड चौटाला क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक पुलिस टीम ने एक कार चालक को रूकने का इशारा किया तो कार चालक ने सरकारी गाड़ी को टक्कर मार दी।

नशेड़ियों और असामाजिक तत्वों का अड्डा बना खेल परिसर

टूटी ग्रीलें, उखड़ा ट्रैक, सुरक्षा व्यवस्था नदारद

बदहाली की मार झेल रहा दलबीर सिंह इंडोर स्टेडियम

- खिलाड़ियों ने छोड़ा अभ्यास, प्रशासन से सुधार की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। चौधरी दलबीर सिंह इंडोर स्टेडियम लगे कूड़े के ढेर।

शहर के डबवाली रोड पर अनाज मंडी के समीप स्थित चौधरी दलबीर सिंह इंडोर स्टेडियम जो कभी खिलाड़ियों की गतिविधियों और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का प्रमुख केंद्र हुआ करता था, आजकल अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। स्टेडियम परिसर में जगह-जगह लगे गंदगी के ढेर, कई स्थानों पर टूटी पड़ी ग्रीलें, जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है। रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह लचर नजर आ रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार स्टेडियम अब खेल गतिविधियों का केंद्र नहीं रहा, बल्कि नशेड़ियों और असामाजिक तत्वों का अड्डा बन चुका है। दिनभर संदिग्ध लोगों की आवाजाही के चलते खिलाड़ी और युवा यहां आना छोड़ चुके हैं। सुरक्षा के अभाव और सुविधाओं की कमी के कारण मैदानों में सन्नाटा पसरा हुआ है। स्टेडियम में बना ट्रैक भी खस्ताहालत में है। जगह-जगह से उखड़ चुका ट्रैक खिलाड़ियों के लिए खतरा बना हुआ है, जिसके चलते कोई भी खिलाड़ी अभ्यास करने नहीं पहुंच रहा। खेल परिसर को लोगों ने पार्किंग स्थल में तब्दील कर दिया है। जगह-जगह वाहन खड़े रहते हैं, वहीं मैदान में शराब की खाली बोतलें और नशे में प्रयुक्त सामग्री भी पड़ी मिली है। खेल उपकरणों की हालत भी दयनीय है। आधुनिक उपकरण, जो खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन के लिए लगाए गए थे, आज धूल फांक रहे हैं। हैंडबॉल और बास्केटबॉल कोर्ट भी नाममात्र के रह गए हैं। सफाई व्यवस्था इतनी खराब है कि यहां अभ्यास करना भी मुश्किल हो गया है। स्टेडियम के आसपास रहने वाले लोगों ने परिसर को पार्किंग और कपड़े सुखाने की जगह बना लिया है। महिलाएं यहां कपड़े सुखाती नजर आती हैं, जबकि लोग अपने वाहन स्टेडियम में खड़े कर रहे हैं। इस अव्यवस्था के चलते खिलाड़ी अभ्यास के लिए यहां आना बंद कर चुके हैं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से स्टेडियम की दुर्दशा पर तुरंत ध्यान देने और इसे फिर से खेल गतिविधियों का केंद्र बनाने की मांग की है।

सांसद सैलजा संसद में भी उठा चुकी मामला

स्टेडियम की बदहाल स्थिति को लेकर सांसद कुमारी सैलजा केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री को पत्र लिख चुकी हैं। उन्होंने पत्र में स्टेडियम के उचित रखरखाव और खिलाड़ियों के लिए दोबारा उपयोगी बनाने की मांग की है।

ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन : अकांवाली गांव में पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान

- मुख्य गलियों, चौक-चौराहों पर संदिग्ध लोगों की जांच की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। गांव अकांवाली में चैकिंग अभियान चलाते पुलिस कर्मचारी।

ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन के तहत थाना सदर टोहाना पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण को लेकर गांव अकांवाली में विशेष कॉम्बिंग व चेकिंग अभियान चलाया गया। थाना सदर टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम के नेतृत्व में अभियान के दौरान पुलिस टीम ने गांव की मुख्य गलियों, चौक-चौराहों एवं संवेदनशील स्थानों पर सघन निगरानी रखते हुए संदिग्ध व्यक्तियों की गहन जांच की। इस दौरान कई युवकों व राहगीरों से पूछताछ की गई तथा उनके पहचान संबंधी दस्तावेज चेक किए गए। पुलिस ने बिना नंबर प्लेट व संदिग्ध अवस्था में खड़े दोपहिया वाहनों को जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम ने बताया कि गांव अकांवाली पुलिस की प्राथमिक निगरानी सूची में शामिल है, जहां किसी भी प्रकार की नशा तस्करी, सार्वजनिक अव्यवस्था या अवैध गतिविधि को पनपने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन के तहत इस तरह के कॉम्बिंग अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की।

सघन कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी

पुलिस ने स्पष्ट किया कि जनसहयोग से ही क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है। फतेहाबाद पुलिस ने दोहराया कि ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन के तहत जिले के सभी संवेदनशील गांवों व इलाकों में इसी प्रकार की सघन कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी, ताकि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखा जा सके।

पुलिस ने नशा पीड़ितों की काउंसलिंग कर इलाज शुरू करवाया

ओढां। जिला पुलिस का नशे के खिलाफ आमजन को एकजुट करने व गांव गांव जाकर नशे से ग्रस्त हासिल कर उन्हें सिविल अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा काउंसलिंग करवाकर उनका इलाज भी शुरू किया जा रहा है। इस अभियान की अगुवाई नशा मुक्ति टीम प्रभारी सब इंस्पेक्टर सुग्रीव कुमार द्वारा की जा रही है। इस अभियान के तहत उन्होंने अपनी टीम के साथ गांव मिठड़ी, किंगरा, खुईयां मलकाना व टप्पी में विशेष अभियान के दौरान व 8 नशा पीड़ितों की पहचान की और उनकी काउंसलिंग करवाकर इलाज शुरू करवाया। टीम प्रभारी ने नशा पीड़ितों के परिवारजनों व गांव के लोगों को नशा से होने वाले शारीरिक, सामाजिक, आर्थिक और मानसिक नुकसान बारे विस्तार से बताया व नशा मुक्त डबवाली अभियान में पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई। नशा मुक्ति टीम प्रभारी ने बताया कि पीड़ित लोगों में अधिकतर युवा है। जो मादक पदार्थों का सेवन करते हैं। लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि नशे की लत बीमारी है व इसका इलाज संभव है। युवाओं से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि युवा ज्यादा से ज्यादा खेलों की ओर कदम बढाएं।

बेजुबानों की सेवा पुण्य का कार्य : माचरा

- सेवानिवृत्त सब-इंस्पेक्टर ने किया पशु-पक्षी सेवा समिति का निरीक्षण, प्रतिमाह सहयोग की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भट्टूकलां

भट्टूकलां। पशु-पक्षी सेवा समिति का निरीक्षण करते पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त सब-इंस्पेक्टर जय सिंह माचरा।

सेवा और संवेदना का जीवंत उदाहरण उस समय देखने को मिला जब भट्टूकलां निवासी, पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त सब-इंस्पेक्टर जय सिंह माचरा ने पशु-पक्षी सेवा समिति का निरीक्षण किया। समिति के कार्यों को नजदीक से देखने के बाद उन्होंने कहा कि बेजुबान पशु-पक्षियों की सेवा करना एक महा पुण्य का कार्य है। ये जीव अपने दुख-दर्द किसी के सामने व्यक्त नहीं कर सकते, इसलिए घायल और असहाय पशु-पक्षियों की देखभाल करना हर नागरिक का परम कर्तव्य बनता है।

जय सिंह माचरा ने कहा कि समाज में ऐसी संस्थाएं उम्मीद की किरण होती हैं, जो घायल और बेसहारा जीवों को नया जीवन देने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे आगे बढक़र इन संस्थाओं से जुड़ें और तन-मन-धन से सहयोग करें, ताकि बेजुबान जीवों को समय पर उपचार और संरक्षण मिल सके। इस अवसर पर जय सिंह माचरा ने पशु-पक्षी सेवा समिति को अपनी ओर से एक हजार रुपये प्रति माह आर्थिक सहयोग देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी नेक कमाई में से थोड़ा-बहुत हिस्सा ऐसे सेवा कार्यों के लिए अवश्य निकालना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान संस्था के संचालक पवन जोगपाल ने जय सिंह माचरा का स्वागत किया और उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हुए उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की। पीली मंदोरी से वीरेंद्र दहिया, कपिल कड़वासरा, अरुण पंडित, सुशील जांगड़ा, अजय गुर्जर, मनोज गुर्जर और सतपाल गुर्जर ने भी संस्था के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का समापन सेवा और सहयोग की भावना के साथ हुआ, जिसमें सभी ने बेजुबान पशु-पक्षियों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

गांव इंदाछोई स्थित एसआरडी स्कूल में वार्षिक समारोह

शिक्षा के साथ बच्चों का सर्वांगीण विकास समय की जरूरत : बराला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टोहाना

टोहाना। एसआरडी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते सांसद सुभाष बराला। फोटो : हरिभूमि

गांव इंदाछोई स्थित एसआरडी स्कूल में रविवार को वार्षिक समारोह आयोजित किया गया। इस आयोजन में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यालय के नन्हे-मुन्ने एवं वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा एक से बढक़र एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत, समूह गान, लघु नाटिकाओं एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, सामाजिक मूल्यों, पर्यावरण संरक्षण और नैतिक शिक्षा का सुंदर संदेश दिया।

सांसद सुभाष बराला ने विद्यार्थियों द्वारा आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। प्रदर्शनी में विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण, ऊर्जा संरक्षण, स्वास्थ्य एवं दैनिक जीवन से जुड़े विषयों पर आधारित विभिन्न मॉडलों और प्रयोगों को प्रदर्शित किया गया। यह प्रदर्शनी अत्यंत ज्ञानवर्धक, रचनात्मक एवं नवाचार से परिपूर्ण रही, जिसमें बच्चों की वैज्ञानिक सोच, कल्पनाशीलता और शोध प्रवृत्ति प्रभावशाली रूप से सामने आई। सांसद ने प्रत्येक स्टॉल पर जाकर विद्यार्थियों से संवाद किया और उनके प्रयासों की सराहना की। समारोह को संबोधित करते हुए सांसद सुभाष बराला ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में शिक्षा के साथ-साथ बच्चों का सर्वांगीण विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के वार्षिक समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम और विज्ञान प्रदर्शनी बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मक सोच को विकसित करते हैं। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों की भूमिका की सराहना की।

सफल आयोजन पर दी बधाई

राज्यसभा सांसद ने विद्यालय प्रबंधन, प्रधानाचार्य, समस्त शिक्षकगण, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को इस सफल आयोजन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों और अनुशासन की भी सराहना की तथा विद्यालय के निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की कामना की।

ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन के तहत 66 अपराधियों को पकड़ा

फतेहाबाद। जिले में अपराधमुक्त वातावरण और नशे के नेटवर्क को ध्वस्त करने के उद्देश्य से चलए जा रहे ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन के तहत जिला पुलिस ने अब तक 6 अपराधियों को काबू किया है। जिले की सभी थाना/यूनिट स्तर पर विशेष टीमों ने मोहल्लों, ग्रामीण बेल्ट, बाजार क्षेत्रों और नशा प्रभावित पॉकेट्स में लगातार कॉम्बिंग की। इसके परिणामस्वरूप कई संदिग्ध गतिविधियों को मौके पर ही रोका गया। अभियान के दौरान पुलिस ने अब तक 66 आरोपियों को काबू किया। इस दौरान इनके पास से 3740 नशीली गोलियां, 2.706 किलोग्राम अफीम, 130.65 ग्राम हेरोइन, 29.220 किलोग्राम डोडा पोस्त, 762 ग्राम गांजा, 32 बोतलें अवैध शराब व 230 लीटर लाहन तथा 49,170 नकदी बरामद की गई है। इस अभियान के दौरान पुलिस ने जहां 28 फरार आरोपी गिरफ्तार किए वहीं 7 आरोपियों की संपत्ति कुर्क की। 8 के विरुद्ध एलओसी जारी की गई वहीं 9 के पासपोर्ट रद्द करने हेतु प्रस्ताव भेजे गए हैं। एसपी सिद्धांत जैन ने बताया कि फरार व इंटर-स्टेट अपराधियों की लोकेशन और निगरानी को लेकर जिला पुलिस ने 34 राज्यों के साथ महत्वपूर्ण सूचनाओं का आदान-प्रदान किया गया है। अभियान के दौरान पुलिस ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए 157 जरूरतमंद व्यक्तियों को सहायता प्रदान की।एसपी ने कहा कि ऑपरेशन हॉटस्पॉट डॉमिनेशन जिले को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है और यह अभियान आगे भी पूरी सख्ती से जारी रहेगा।

- 278 से अधिक हॉटस्पॉट क्षेत्रों में की कार्रवाई

22 लाख रुपये का टेंडर किया जारी

वार्ड नंबर 3 में नई गली का शुभारंभ, इंटरलॉकिंग सड़क और स्वर्ग आश्रम में होंगे विकास कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

भूना। इंटरलॉकिंग सडक़ के निर्माण कार्य का शुभारंभ करते पार्षद।

नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 3 में नई गली का शुभारंभ किया गया तथा स्वर्ग आश्रम के हाल में लेटर लगवाने का कार्य पूरा किया गया। इस अवसर पर पार्षद कृष्णा सोनी और उनके प्रतिनिधि बलजीत सोनी ने वार्ड में प्रस्तावित विकास कार्यों की जानकारी दी। पार्षद कृष्णा सोनी ने बताया कि वार्ड नंबर 3 में महेंद्र सिंह के घर से शिव चौक रोड तक इंटरलॉकिंग सडक़ का निर्माण किया जाएगा। इस सडक़ के बनने से स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और वार्ड की सूरत बदलेगी। उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 3 में कुल चार गलियों के निर्माण के लिए करीब 22 लाख रुपए का टेंडर जारी किया गया है।

इसके अलावा स्वर्ग आश्रम में हाल के कमरे का निर्माण और साइड के रास्ते का विकास कार्य भी प्रस्तावित है, जिस पर करीब 20 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। पार्षद प्रतिनिधि बलजीत सोनी ने कहा कि विकास कार्यों को लेकर नगर पालिका गंभीर है और आने वाले समय में वार्ड में और भी टेंडर लगाए जाएंगे। उनका कहना था कि वार्ड नंबर 3 को पूरी तरह से विकसित कर चमकाया जाएगा।

मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना उद्देश्य

इस मौके पर नगर पालिका के वाइस चेयरमैन नरेंद्र बागड़ी ने कहा कि शहर में समान रूप से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि नगर पालिका द्वारा करोड़ों रुपए के टेंडर लगाए जा चुके हैं और कई अन्य टेंडर प्रक्रिया में हैं। उद्देश्य है कि शहर के हर वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जाए, ताकि आमजन को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। कार्यक्रम के दौरान पार्षद रोहताश गोयल, पार्षद प्रकाश उर्फ पाशु, पार्षद प्रतिनिधि बजरंग शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। स्थानीय लोगों ने विकास कार्यों की शुरुआत पर खुशी जताई।

चोपटा स्कूल में हरियाणा सुपर 100 का ब्लॉक स्तरीय कैंपेन सेमिनार

चोपटा। नाथूसरी चोपटा ब्लॉक राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाथूसरी चोपटा में मिशन बुनियाद और हरियाणा सुपर 100 का ब्लॉक स्तरीय कैंपेन सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें ब्लॉक के कुल 52 विद्यालयों ने सक्रिय भागीदारी की। नाथूसरी चोपटा के प्राचार्य राजेश मल्होत्रा ने बताया कि इस सेमिनार में लगभग 260 विद्यार्थियों और शिक्षक ने हिस्सा लिया, जिनमें प्रत्येक विद्यालय से कक्षा 8वीं तथा 10वीं के तीन-तीन विद्यार्थी सम्मिलित हुए। साथ ही सभी विद्यालयों से एक-एक टीजीटी शिक्षक भी उपस्थित रहे। सेमिनार के दौरान विद्यार्थियों को मिशन बुनियाद और हरियाणा सुपर 100 की पंजीकरण प्रक्रिया, परीक्षा तिथियों तथा कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी गई। मिशन बुनियाद के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रारम्भ हो चुका है, जिसकी अंतिम तिथि 16 दिसंबर है तथा इसकी परीक्षा 24 दिसंबर को आयोजित होगी। हरियाणा सुपर 100 के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 9 फरवरी तथा परीक्षा 11 फरवरी को निर्धारित की गई है। दोनों कार्यक्रमों में उन्हीं विद्यार्थियों के पंजीकरण पर जोर दिया गया जो 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त कर रहे हैं। प्रिंसिपल मल्होत्रा ने बताया कि कार्यक्रम को बेहतर बनाने में जिला शिक्षाधिकारी सुनीता साई सिरसा, खंड शिक्षा अधिकारी विजय सचदेवा, जिला विज्ञान विशेषज्ञ मुकेश कुमार, मिशन बुनियाद के विशेषज्ञ कपिल देव, वरिष्ठ प्रवक्ता कुलदीप दलाल, प्रवक्ता रविंद्र सोनी, अनीता देवी, प्रवक्ता मीनाक्षी बिश्नोई, प्रवक्ता शिखा रानी, प्रवक्ता दलबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

- शिक्षाधिकारियों ने किया विद्यार्थियों को प्रेरित

धान घोटाले ने सरकार की पारदर्शिता और जवाबदेही पर लगाए प्रश्नचिह्न : सैलजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करें

बाढ़ से हुए फसल नुकसान के बावजूद कागजी खरीद में भारी वृद्धि के आरोप प्रदेश के वित्तीय संसाधनों के दुरुपयोग की ओर भी इशारा करते हैं, जो चिंताजनक है। ऐसे परिस्थितियों में यह आवश्यक हो जाता है कि सरकार किसी भी प्रकार की लीपापोती से दूर रहते हुए पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करें, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि अनियमितताओं के लिए वास्तविक रूप से जिम्मेदार कौन लोग हैं। जांच केवल निचले स्तर तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उन सभी निर्णयकर्ताओं और उच्च स्तर के जिम्मेदार व्यक्तियों को भी शामिल करना चाहिए जिनकी भूमिका ने इस स्थिति को जन्म दिया।

सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में फर्जी गेट पास काटकर मंडियों में धान आए बिना ही बेच डाला। बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश से धान लाकर यहां के किसानों के नाम से बेचा गया। इस धान घोटाले ने प्रदेश की भाजपा सरकार की पारदर्शिता और जवाबदेही पर बड़े प्रश्नचिह्न लगा दिए है जबकि सरकार भ्रष्टाचार मुक्त शासन और प्रशासन का दावा करती आ रही है। सरकार को चाहिए कि वह इस पूरे प्रकरण में सच सामने लाए, दोषियों पर कठोर कार्रवाई करे और किसानों को उनका उचित हक तथा राहत तुरंत प्रदान करे। मीडिया को जारी बयान में कहा है कि हरियाणा में अनाज खरीदी प्रणाली और सरकारी वित्तीय प्रबंधन को लेकर उठ रहे गंभीर आरोपों ने पूरे प्रदेश के किसान समुदाय को गहरी चिंता में डाल दिया है। धान और अन्य फसलों की सरकारी खरीद में व्यापक अनियमितताओं और अधिकारियों की संभावित मिलीभगत की खबरों ने सरकार की पारदर्शिता और जवाबदेही पर बड़े प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

धर्म-कर्म श्री धेनु मानस गो कथा के पांचवें दिन कथा स्थल श्रद्धा और भक्तिरस से सराबोर रहा

गोसेवा मानव जीवन को स्वस्थ और सुखी बनाती : बराला

- गो माता की सेवा से व्यक्ति को मिलती शांति : मधु

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

भूना। श्री धेनु मानस गौ कथा सुनाते डॉ. मधु बिश्नोई व उपस्थित सांसद सुभाष बराला। फोटो : हरिभूमि

श्री कृष्ण गोशाला सेवा समिति नाढोड़ी के तत्वावधान में आयोजित श्री धेनु मानस गो कथा के पांचवें दिन रविवार को कथा स्थल श्रद्धा और भक्तिरस से सराबोर रहा। कथा के दौरान कथावाचक डॉ. मधु बिश्नोई ने गाय की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि गाय केवल पूजनीय ही नहीं, बल्कि एक चलता-फिरता औषधालय है। गाय से प्राप्त दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर से अनेक प्रकार की बीमारियों का उपचार संभव है। डॉ. मधु बिश्नोई ने श्रद्धालुओं को बताया कि गो माता की सेवा से व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आत्मिक शांति मिलती है। कथा के शुभारंभ अवसर पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। उन्होंने अपने संबोधन में गौ माता के संरक्षण और संवर्धन पर जोर दिया। सुभाष बराला ने कहा कि गौ माता केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय समाज और संस्कृति की आत्मा हैं। गौ सेवा से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नई पीढ़ी में संस्कारों का विकास होता है।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में समिति के प्रधान फकीरचंद गोदारा, सरपंच नरेंद्र महेरा, मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन आत्माराम भांभू, पूर्व सरपंच रविंद्र कुमार धारनिया, गौशाला के पूर्व प्रधान राजेंद्र सिंह भांभू सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा राम सिंह गोदारा, केसरा राम भांभू, जसकरण गोदारा, दलीप कुमार धारनिया, जगदीश डेलू, आत्माराम थापन, काशीराम डारा, रामनिवास भांभू, हनुमान सिंह, सुभाष भांभू, पृथ्वी सिंह, भूप सिंह, कृष्ण कुमार, गुरदयाल सिंह डेलू, सुरेंद्र सिंह, महावीर सिंह, बलजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में समिति सदस्य और ग्रामीण मौजूद रहे।

सांसद खेल महोत्सव- हजारों खिलाड़ियों ने जोश के साथ लिए हिस्सा

युवा शक्ति के उत्सव में दिखा जोश अनुशासन और प्रतिभा का संगम

समापन समारोह में राज्यसभा सांसद ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। विजेताओं को सम्मानित करते सांसद सुभाष बराला।

फोटो : हरिभूमि

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवा शक्ति को सकारात्मक दिशा देने का एक सशक्त मंच है। खिलाड़ी नशे और ऑनलाइन गेम्स जैसी बुरी आदतों से दूर रहकर खेलों को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं। खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और स्वस्थ जीवनशैली का सशक्त आधार हैं, जो युवाओं को सकारात्मक दिशा देते हैं और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

रविवार को एमएम कॉलेज, फतेहाबाद में आयोजित सिरसा लोकसभा क्षेत्र के सांसद खेल महोत्सव के फाइनल मुकाबलों एवं समापन समारोह को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि आज का युवा देश का भविष्य है। यदि युवा खेल के मैदान से जुड़ा रहेगा तो वह स्वतः ही नशे, मोबाइल की लत और ऑनलाइन गेम्स जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहेगा। उन्होंने खिलाड़ियों से आग्रह किया कि वे खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लें, हार-जीत को सहज रूप से स्वीकार करें और निरंतर मेहनत व अनुशासन के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें खेलों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही हैं। केंद्र सरकार की खेलो इंडिया जैसी महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से देशभर में खेल संस्कृति को मजबूत किया जा रहा है, वहीं हरियाणा सरकार की खेल नीति आज देश के लिए एक आदर्श बन चुकी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार खिलाड़ियों को पारदर्शी चयन प्रणाली, बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक खेल ढांचा और उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सम्मान व प्रोत्साहन प्रदान कर रही है। इस मौके पर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

प्रदेश का नाम रोशन कर रहे खिलाड़ी

राज्यसभा सांसद ने कहा कि हरियाणा की खेल नीति के कारण प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश व प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। ओलंपिक, एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों का बढ़ता योगदान इस नीति की सफलता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दी जा रही खेल छात्रवृत्तियां, सरकारी नौकरियों में आरक्षण और नकद पुरस्कार युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित कर रहे हैं। समारोह के दौरान राज्यसभा सांसद ने विभिन्न खेलों के फाइनल मुकाबलों में विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने आयोजकों, कोचों, निर्णायकों और स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास से यह खेल महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है।राज्यसभा सांसद ने खिलाड़ियों से अपील की कि वे खेल के माध्यम से अपने जीवन को स्वस्थ, अनुशासित और उद्देश्यपूर्ण बनाएं तथा देश का नाम रोशन करें।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर हरकोफेड के चेयरमैन वेद फुला, एमएम कॉलेज प्राचार्य गुरचरण सिंह, एसई ओपी बिश्नोई, डीएसओ विष्णुदास, भीम लांबा, एईओ अनूप सिंह, जयदीप बराला, सुधीर तनेजा, शम्मी ढींगरा, कंवल चौधरी, कालू बरसीन, चिरंजी लाल ढाँड, किशोरी लाल नारंग, महेंद्र मूटरेजा, राकेश भाम्भू, जीतू फुला, लायक राम गढ़वाल, विक्रम शर्मा सहित संगठन पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता में 432 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया

पुलिस अधीक्षक ने छात्रों नियमों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। बच्चों को ट्रैफिक नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए।

बच्चों को ट्रैफिक नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी देने के लिए जिला स्तरीय सडक़ सुरक्षा क्विज कंपटीशन परीक्षा जेसीडी विद्यापीठ सिरसा में संपन्न करवाई गई है। क्विज कंपटीशन प्रतियोगिता में रानियां, ऐलनाबाद, बड़ागुढ़ा एवं नाथूसरी चौपटा खंड से चार श्रेणियों में 432 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्रथम चरण में कक्षाओं के अनुसार चार श्रेणियां बनाई गई। पहली श्रेणी में कक्षा तीसरी से छठी, दूसरी में छठी से 8वीं, तीसरी में 9वीं से 12वीं तथा चौथी श्रेणी में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने बताया कि इस प्रश्नोतरी प्रतियोगिता को करवाने का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों में यातायात नियमों के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी देना ताकि सडक़ दुर्घटनाओ में कमी लाई जा सके। उन्होंने कहा कि बचपन में यदि बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जाएं तो वे भविष्य में अच्छे नागरिक साबित हो सकते हैं, क्योंकि बचपन का समय स्वर्णिम कॉल होता है तथा सीखने और सीखाने का सही समय होता है।

पुलिस अधीक्षक ने जिलाभर के सभी स्कूल व कॉलेजों के विधार्थियों से आह्वान किया है कि वे यातायात नियमों की स्वयं पालना कर अपने आसपास के लोगों को यातायात नियमों की पालना करने के लिए प्रेरित करें ताकि यातायात व्यवस्था को और अधिक सदृढ़ बनाया जा सके।

अब मंडल स्तर पर होंगे मुकाबले

पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने बताया कि स्कूली बच्चों को सडक़ सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी देने के लिए परीक्षा के चार लेवल बनाए गए थे। चारों लेवल के क्विज कंपटीशन में एक-एक टीम को चयनित किया गया है। चयनित की गई टीम आगामी मंडल स्तर पर होने वाली सडक़ सुरक्षा प्रश्नोतरी प्रतियोगिता परीक्षा मे भाग लेगी।

डाइट स्टॉफ सदस्यों ने किया शोक व्यक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) डिंग के प्रभारी प्रवक्ता सुरेंद्र नूनिया के पिता रणपतराम नूनिया के निधन पर डाइट के स्टाफ सदस्यों ने शोक व्यक्त किया है। उनके निधन पर जिला शिक्षाधिकारी सुनीता साईं, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी डॉ. विजय लक्ष्मी, जिला शिक्षाधिकारी वेद दहिया, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी देवेंद्र सिंह सिंहमार, उप जिला शिक्षा अधिकारी विजेंद्र सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी विजय सचदेवा, कृष्ण लाल, कैथल जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष फुटेला, डाइट मताना प्रिंसिपल विनोद श्योराण सहित अनेक शिक्षाविदों, संस्थान प्रमुखों एवं सामाजिक प्रतिनिधियों ने शोक व्यक्त किया। सभी शिक्षाविदों ने शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की परमात्मा से कामना की।

खबर संक्षेप

सिरसा। भगवान शिव के अद्र्धनारीश्वर रूप की प्रतिमा का रविवार को अनावरण पर श्रद्धालुजन ।

भगवान शिव की प्रतिमा का किया अनावरण

सिरसा। रानियां रोड स्थित बाबा बिहारी की समाधि के गेट के पास स्थापित भगवान शिव के अद्र्धनारीश्वर रूप की प्रतिमा का रविवार को अनावरण व बाबाजी के रज सिंहासन का लोकार्पण भूराराम मित्तल द्वारा किया गया। इस मौके पर संरक्षक महेश सुरेकां, प्रदीप मित्तल कार्यकारी प्रधान, मंगत सेठी सचिव, कोषाध्यक्ष अनिल बांसल, प्रवीण नरूला सहसचिव, गुरमुख कोचर उपप्रधान, नरेश मिढा उपप्रधान, बलजिंद्र नरूला, गगन खुराना, मनोज मिढ़ा, अनिल मिढा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे। इस मौके पर मुख्य सेवक गुलाबराय ने बताया कि काफी समय पूर्व मित्तल परिवार द्वारा बाबा बिहारी की समाधि पर भगवान शिव के अद्र्धनारीश्वर रूप की प्रतिमा लगाने का निर्णय लिया गया था। इसी कड़ी में रविवार को पूरे विधिविधान से पूजा अर्चना कर प्रतिमा का अनावरण किया गया है।

भाकपा ने मनाई प्रथम शतकीय स्थापना वर्षगांठ

सिरसा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की प्रथम शतकीय स्थापना वर्षगांठ कॉमरेड टीका राम सुखन भवन में धूमधाम से मनाई गई। सभा की अध्यक्षता कॉमरेड गुरदीप सिंह सिद्धू, जगरूप सिंह चौबुर्जा एवं मुंशी राम सुचान ने संयुक्त रूप से की। सीनियर एडवोकेट कॉमरेड अश्विनी ब शी ने पार्टी के जिला सिरसा व देश स्तर पर किए गए संघर्षों का विस्तार से वर्णन करते हुए पार्टी के इतिहास की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी देश की मिट्टी से बने संघर्ष करने वाले नेताओं द्वारा बनी है। देश के लोगों का बढिय़ा जीवन स्तर बनाना पार्टी का ध्येय है। शोषणमुक्त समाजवादी शासन कायम करने के लिए पार्टी संघर्ष के मैदान में है। उन्होंने आगे कहा कि समाजवाद ही भविष्य है, जिसे हम हर हालत में हासिल करके ही दम लेंगे। पार्टी के नेतृत्व के संघर्षशील लोगों को मंच से स मानित किया गया। कॉमरेड मोहिंदर सिंह खाजाखेड़ा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया।

सिरसा। मरीजों की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

डेरे में आयोजित कैंप में 12278 मरीजों की हुई आंखों की जांच, 182 के ऑपरेशन

सिरसा। शाह सतनाम-शाह मस्ताना जी धाम, डेरा सच्चा सौदा सिरसा में आयोजित चार दिवसीय आई कैंप में हर दिन उम्मीद की नई किरणें जगमगा रही हैं। कैंप में आंखों की जांच और ऑपरेशन का सिलसिला लगातार जारी है और तीसरे दिन तक 12278 मरीजों की आंखों की जांच पूरी की जा चुकी है। जांच के बाद 281 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया, जिनमें से 182 मरीजों के सफल ऑपरेशन हो चुके हैं। इस सेवा शिविर के तहत अब तक 2628 मरीजों को निःशुल्क चश्मे और 6709 मरीजों को दवाइयां वितरित की जा चुकी हैं। कैंप में जांच का क्रम 15 दिसंबर तक जारी रहेगा। पहले दिन ऑपरेशन करवाने वाले 101 मरीजों को रविवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल की डॉ. मोनिका गर्ग इन्सां, डॉ. गीतिका इन्सां, शाह सतनाम जी सार्वजनिक अस्पताल श्री गुरुसरमोडिया से डॉ. ललित और चंडीगढ़ से पहुंचे वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अवनीश गुप्ता अपनी टीम ऑपरेशन कर रही है।

महाराजा शूरसैनी जयंती को लेकर बैठक

सिरसा। सैनी सभा ट्रस्ट की बैठक रविवार को सैनी सभा धर्मशाला में प्रधान नरेंद्र सैनी की अध्यक्षता में हुई जिसमें आगामी 20 दिसंबर को महाराजा शूरसैनी जयंती को हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाने को लेकर विचार विमर्श किया गया। प्रधान नरेंद्र सैनी ने सभी पदाधिकारियों से विचार-विमर्श के बाद जयंती को लेकर सभा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की ड्यूटियां लगाई। उन्होंने बताया कि 20 दिसंबर की सुबह 8.15 बजे हवन यज्ञ किया जाएगा। उसके बाद 9.15 बजे विचार गोष्ठी होगी और 11.15 बजे भंडारे का शुभारंभ किया जाएगा।

पुलिस कर्मचारियों ने किया श्रमदान

▪ थानों में अनुशासन और नागरिक-सुविधाओं पर रहा फोकस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। थानों में सफाई अभियान चलाते पुलिस कर्मचारी।

जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छ थाना-चौकी पहल अभियान के तहत रविवार को पुलिस कर्मचारियों ने श्रमदान किया। हर रविवार जिले के सभी थानों और चौकियों में पुलिस अधिकारी व कर्मचारी सामूहिक रूप से श्रमदान कर रहे हैं। इस दौरान थाना परिसरों की सफाई, रिकॉर्ड रूम का सुव्यवस्थित प्रबंधन, पेंटिंग, मरम्मत और सौंदर्यीकरण जैसे कार्य किए जा रहे हैं। खास बात यह है कि इस पहल में अधिकारी और जवान के बीच कोई औपचारिक भेद नजर नहीं आता, सभी एक टीम के रूप में कार्य करते हैं। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन का मानना है कि स्वच्छ और व्यवस्थित कार्यस्थल पुलिस बल के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ आमजन में भरोसे की भावना भी मजबूत करता है। इसी सोच के तहत इस पहल को नियमित और सतत रूप दिया गया है, ताकि इसका प्रभाव केवल दिखावटी न होकर स्थायी रहे। इस अभियान के परिणामस्वरूप कई थानों में नागरिकों के लिए मूलभूत सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। स्वच्छ पेयजल, साफ शौचालय, बैठने की व्यवस्था और बेहतर रिसेप्शन सिस्टम से शिकायत लेकर आने वाले लोगों को अब अधिक सहज वातावरण मिल रहा है। पुलिस का मानना है कि जब थाना परिसर साफ, व्यवस्थित और सकारात्मक होता है, तो उसका असर समाज पर भी पड़ता है।

बुजुर्ग से 18 हजार रुपये छीनने का आरोपी पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

नाथूसरी चौपटा थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग व्यक्ति से 18 हजार रुपए की चपत लगाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। नाथूसरी चौपटा थाना प्रभारी राधेश्याम ने बताया कि गांव बकरियांवाली निवासी बनवारी लाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव रूपवास में सेम नाले के नजदीक हिस्से पर खेती बाड़ी करता है। बीती 9 सितंबर 2025 को बाइक सवार एक व्यक्ति आया और उसे जड़ी बूटी व नग बेचने का झांसा देकर बैठा लिया। शिकायतकर्ता के मुताबिक कुछ सामान लेकर मैंने उसे पैसे देने चाहे तो उक्त व्यक्ति ने मेरा पैसों से भरा हुआ पर्स छीन लिया और मोटरसाइकिल लेकर मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया की उक्त शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ थाना नाथूसरी चौपटा में छीना झपटी का मामला दर्जकर जांच शुरू की गई थी।

जांच के दौरान नाथूसरी चौपटा थाना पुलिस ने आरोपी संजू निवासी वार्ड नंबर 11 सपेरा बस्ती पेहवा जिला कैथल को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी से पूछताछ में उसने बताया कि वह सपेरा जाति से आता है और अपने परिवार का गुजारा करने के लिए जड़ी बूटी व नग बेचने का काम करता है। नीयत खराब होने की वजह से ही उसने छीना-झपटी की वारदात को अंजाम दिया था।

हम मन से आज भी गुलामः भारती

सिरसा। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के आश्रम सेक्टर-20 में साप्ताहिक सत्संग किया गया, जिसमें साध्वी नेहा भारती ने कहा कि हम बाहरी तौर पर तो आजाद हो गए हैं, मगर हम मन से आज भी गुलाम हैं। जो हमारा मन कहता है हम वैसे ही कर्म करते जा रहे हैं, मगर हमारे संतों ने कहा है मन जीते जग जीत, मन के विचारों के कारण बुरी संगति के प्रभाव में फंसकर आज का युवा नशे की ओर जाकर अपना और अपने परिवार का जीवन बर्बाद कर रहा है। उन्होंने कहा कि नशे की रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाने चाहिएं, ताकि मन को आत्मबल मिले। युवाओं को इसके लिए पूर्ण सतगुरु की शरण में जाकर ब्रह्मज्ञान प्राप्त कर राष्ट्र के प्रति अपने फर्ज पूरे करने चाहिए। इस अवसर पर सुमधुर भजनों का गायन भी किया गया।

बाइक सवार को टक्कर मारने का आरोपी ट्रक चालक पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सडक़ हादसे में एक युवक की मौत होने के मामले में थाना सदर रतिया पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक को काबू कर लिया है। आरोपी की पहचान रविंद्र कुमार पुत्र विजय सिंह, निवासी रत्ताखेड़ा, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। थाना सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह ने बताया कि 13 दिसंबर को गांव किरढान निवासी रोहताश द्वारा शिकायत दी गई थी कि उसका पुत्र राहुल मोटरसाइकिल पर गांव फुला से हडौली जा रहा था। सुबह करीब 7:30 बजे गांव तामसपुरा से आगे नहर के पास सामने से आ रहे ट्रक चालक ने तेज रफ्तार व लापरवाही से वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल को सीधी टक्कर मार दी, जिससे राहुल गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल राहुल को उपचार के लिए सद्भावना अस्पताल फतेहाबाद ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शिकायत व मौके की कार्रवाई के आधार पर थाना सदर रतिया में मामला दर्ज किया गया।

पूर्व सीएम चौटाला की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा 20 को

▪ समाधि स्थल पर 12 फुट की प्रतिमा का होगा अनावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। कार्यकर्ताओं की बैठक लेते रानियां के विधायक अर्जुन चौटाला।

रानियां के विधायक अर्जुन सिंह चौटाला ने कहा कि हरियाणा के पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला की प्रथम पुण्यतिथि पर आगामी 20 दिसंबर को सिरसा के तेजाखेड़ा फार्म हाउस पर श्रद्धालंलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान चौटाला की समाधिस्थल पर 12 फुट की उनकी प्रतिमा का भी अनावरण किया जाएगा। अर्जुन चौटाला रविवार को पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। अर्जुन ने कहा कि ओमप्रकाश चौटाला ने अपने मुख्यमंत्री काल में जिस प्रकार किसानों, कमेरों, खिलाडिय़ों, युवाओं, व्यापारियों सहित तमाम वर्गों के लिए जिस प्रकार की योजनाएं बनाकर अमलीजामा पहनाया, वह काल ही सही मायने में हरियाणा के विकास का काल था। विधायक अर्जुन चौटाला ने कहा कि 20 दिसंबर को लोग बड़ी संख्या में पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला को श्रद्धांजलि देने पहुंचेंगे। इस मौके पर इनेलो जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने कहा कि ओमप्रकाश चौटाला ने जिस प्रकार इंडियन नेशनल लोकदल संगठन को मजबूती दी, वह पूरे देश में चर्चित रहा। जस्सा ने कहा कि चौधरी देवीलाल व पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला के दिखाए मार्ग पर चलते हुए इनेलो आज भी शोषित वर्गों को अधिकार देने के लिए लड़ रह है।

ये रहे मौजूद

बैठक में होशियार सिंह खोड, महेंद्र बाना, प्रवक्ता महावीर शर्मा, देवेंद्र कृपालपट्टी, सुरेंद्र सिंह सिद्धू, जगदेव सरपंच मल्लेकां, सुरेश रोड, अशोक ब्यूटी, अशोक हंजीरा, अनिल भादू, जिल पार्षद प्रतिनिधि जयवीर शीलू, जयवीर यादव, आनंद सिहाग व धर्मवीर पारीक आदि पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

धर्म- कर्म आर्य समाज मंदिर में ऋग्वेद पारायण यज्ञ का भव्य समापन

स्वामी श्रद्धानंद के 100वें बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में सुंदर नगर स्थित आर्य समाज भवन में आयोजन

ऋग्वेद के मंत्र हमें एकता, प्रेम और विश्व कल्याण का संदेश देते हैं : अरूण ग्रोवर

▪ वैदिक मंत्रों से गुंजायमान हुआ वातावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। आर्य समाज भवन में आयोजित ऋग्वेद पारायण यज्ञ में भाग लेते सदस्य।

आर्य समाज फतेहाबाद द्वारा स्वामी श्रद्धानंद जी के 100वें बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में सुंदर नगर स्थित आर्य समाज भवन में चल रहे चार दिवसीय ऋग्वेद पारायण यज्ञ का आज वैदिक रीति-रिवाजों और पूर्णाहूति के साथ समापन हो गया। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य प्रद्युम्न शास्त्री, उनके साथ वेदपाठी आर्य समाज के पुरोहित दीपक शास्त्री एवं ब्रह्मचारी मनीष आर्य ने ऋग्वेद के मन्त्रों का सस्वर पाठ कर पूर्णाहुति करवाया। चार दिनों से चल रहे इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आहुतियां डालीं। यज्ञ की शुरुआत प्रतिदिन प्रातः काल वेदमंत्रों के उच्चारण के साथ होती थी। समापन के अवसर पर यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य प्रद्युम्न शास्त्री ने स्वामी श्रद्धानंद जी के 100 वें बलिदान दिवस पर कहा कि आर्य समाज के महान सन्यासी, समाज सुधारक, राष्ट्रभक्त और शिक्षाविद् थे। उन्होंने सबसे महान कार्य गुरूकुलों की स्थापना की। उस समय जब मैकाले शिक्षा पद्धति हमारे चरित्र और संस्कार को कमजोर कर रही थी, तब स्वामी श्रद्धानंद ने वैदिक परंपरा पर आधारित ऐसी शिक्षा दी, जो बुद्धि के साथ-साथ चरित्र का निर्माण करती थी। उनका मानना था कि शिक्षा वही है जो मनुष्य को श्रेष्ठ नागरिक और सच्चा आर्य बनाये। आर्य समाज के प्रधान अरुण ग्रोवर ने आए हुए सभी महानुभावों को स्वागत किया, साथ ही युवाओं से अपनी संस्कृति और जड़ों से जुडऩे का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस पारायण यज्ञ का उद्देश्य समाज में नैतिक मूल्यों की पुनस्र्थापना और पर्यावरण की शुद्धि है। हमें प्रसन्नता है कि इस बार युवाओं और बच्चों ने भी बड़े उत्साह के साथ वेदों के इस ज्ञान यज्ञ में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि वेद केवल धर्मग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला और विज्ञान हैं। ऋग्वेद के मंत्र हमें एकता, प्रेम और विश्व कल्याण का संदेश देते हैं। समापन समारोह के दौरान संपूर्ण वातावरण शुद्ध और सकारात्मक ऊर्जा से भर गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित भक्तों के बीच ऋषि लंगर (प्रसाद) का वितरण किया गया।

स्वामी श्रद्धानंद को किया नमन

आचार्य प्रद्युम्न शास्त्री ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद सामाजिक कुरीतियों को प्रखर विरोधी थे। स्वामी जी का जीवन हमें सिखाता है कि धर्म केवल पूजा नहीं बल्कि साहस, सेवा और सत्य का नाम है। ऐसे महान सन्यासी को स्मरण करते हुए कोटि कोटि नमन है। इसके बाद आर्य समाज महिला समाज से सुमन रेल्हन, अनुराधा आर्या ने ईश्वर भक्ति एवं ऋषि भक्ति भजन प्रस्तुत किये।

ये रहे मौजूद

इस यज्ञ में उपस्थित आर्य समाज के प्रधान आर्य अरुण ग्रोवर, पूर्व प्रधान बंसीलाल आर्य, पायनियर स्कूल के संचालक विजय निर्मोही एवं उनके पुत्र निशांत निर्मोही, सतीश चौधरी, सुरेश रेल्हन, हरीश झाम्ब, राजेश मेहता, भूप सिंह पटवारी, रोशन लाल गोदारा, नन्दलाल आर्य एवं संपूर्ण मातृशक्ति उपस्थित रहीं।